

विना-वाहक रक्त वाहक-परिष्कारण
में अन्तर्ग

विशेष बिन्दु	मिकाशात्मक परीक्षा	व्युत्प्रेषण परीक्षा
प्रति-प्रकार	प्रयोग की रक्तमात्रा (रक्त) रक्त-लक्षणों	① प्रयोग की रक्तमात्रा
	इसमें प्रयोग की संख्या का	समीक्षात्मक क्रम में
	अती ही वे सामान्य प्रकार	का आकार तथा प्राणिक
	के क्षेत्र की वृत्त, उत्तर	(Specific) क्षेत्र में उत्तर
विषय वस्तु	लक्षण (Exhibit) अनुसार	है (broad)
	सोपान पाठ्यवस्तु का प्रमाण	क्षेत्र में
	को है।	② पाठ्यवस्तु के व्यापक रूप
		का प्रतिपादन सामान्य क्षेत्र में
उद्देश्य प्राप्ति	अवबोध उद्देश्य की प्राप्ति	③ का उद्देश्य की प्राप्ति
	सम्पत्तापूर्वक हो जाती है।	सम्पत्तापूर्वक हो जाती है।
साध्यता	ये परीक्षा, उपलब्ध परीक्षा	④ ये परीक्षा विपरीत परीक्षा
	यहां रक्त को वाहक के	विषय, यदि रक्त प्रयोग
	लिए अथवा उपयुक्त है।	परीक्षा में इसके लिए
		उपयुक्त है।
आभिव्यक्ति तथा	परीक्षा परीक्षा का उत्तर उत्पन्न	परीक्षा को दिन में केंद्र
चपत	शेका में देने में पूर्ण स्वतंत्र	में से सही उत्तर का चयन
	है।	करना होता है।
प्राप्तिदरी	ये परीक्षा क्षेत्र के रक्त	ये परीक्षा क्षेत्र के रक्त
	हो-उत्पादों पर आधारित	उत्पादों (plasma sample)
	होता है।	पर आधारित होता है।
लेखन कला	परीक्षा का सुन्दर लेख	लेखन कला का कोई प्रकार
	रक्त आभिव्यक्ति को रक्त	नहीं होता। इसमें परीक्षा
	का प्रभाव उत्पन्न	पहले के रक्त से होता है।
	होता पर उपलब्ध	
	इसके परीक्षा आधारित	
	है।	

निव-वलाय. एवं वरुणमिठ परीक्षा में अह 2

परीक्षा केन्द्र	निव-वलाय परीक्षा	वरुणमिठ परीक्षा
परीक्षा मंत्रालय	परीक्षक की मनाही जारी रहती है।	परीक्षक की मनाही रहने पर प्रश्न निर्माण में बाधा के संकेत हैं।
परीक्षा के प्रकार	दोनों स्वतन्त्र हैं। परीक्षा प्रश्नोत्तर है। और परीक्षक उच्च प्रश्न करते हैं।	मूलतः एकलवर्ग परीक्षा। जो की स्वतन्त्रता पर संभ्रम। रखा जाता है। परीक्षा में प्रश्न उत्तर में स्वतन्त्र है।
विषयसूची का विषय	इन परीक्षाओं की निव-वलायता एवं विषय दोनों निम्न रहती है।	इन परीक्षाओं की निव-वलायता एवं विषय दोनों उच्च रहती है।
गण	परीक्षा के माध्यम स्थापित नहीं किया जाता है।	इन परीक्षाओं के प्रमाणिक माध्यम स्थापित किया जाता है।
अंक	परीक्षक का विषय पर पूर्ण अधिकार होता है। अंक ठीक प्रकार से समाप्त है।	अंक प्रश्नोत्तर स्वरूप में। अंक कुंजी का जोन से माध्यम। अंक ठीक प्रकार से समाप्त है।
प्रश्न	प्रश्नोत्तर स्वरूप में। कोई विषयक विद्वानों की आवश्यकता नहीं पड़ती।	प्रश्नोत्तर अथवा प्रश्नोत्तर की तरह। कोई विषयक विद्वानों की आवश्यकता नहीं पड़ती। परीक्षा में प्रश्नोत्तर स्वरूप में। आवश्यकता नहीं पड़ती।
अंक विवरण	परीक्षक स्वयं अंक सीमा निर्धारित करता है। मिनट स्तर के लिए वह 60-80% तथा इतिहास जगत् उत्तर के लिए 10-25% अंक निर्धारित कर लेता है।	परीक्षक स्वयं अंक सीमा निर्धारित करता है। परीक्षक को कोई इंट नहीं देना पड़ता।

मापन के प्रकार

- 1 चयन में
- 2 वर्गीकरण (in Selection)
- 3 तुलना (Classification)
- 4 तुलना (Comparison)
- 5 नियंत्रण और प्रामाण्य
- 6 कक्षा में शिक्षण का सुधारना (Improving Classroom Instruction)
- 7 शोध (Research)
- 8 निदान (Diagnosis)

अर्थ। उद्योग में अन्य संगठन में मानव शक्ति की सहायता से कार्यवाही का चयन किया जाता है।

1 चयन

वर्गीकरण करना और आवश्यक होता है कक्षा में विभिन्न प्रकार के कर्मियों को मिला-2 करके प्रविष्टि वर्गीकरण करना है। कक्षा में कुछ आवश्यक कर्मों को कुछ सामान्य कर्मों से जोड़ना है।

2 वर्गीकरण

जालन और डाक के प्रकारों में से एक बात है कि कोई भी दो व्यक्तियों को मिलाकर अथवा शोध में मानसिक प्रविष्टि में, ज्ञान में, प्रवृत्तियों में, शैली में अथवा लक्ष्यों में अथवा क्षमता में वैचारिक मिलावट होनी चाहिए। उक्त मापन की सहायता से यह कर्मों से जोड़ा जाता है। A, B में जालन करके तुलना में मिलावट है।

मापन के प्रकार एवं तुल्यता का वर्णन

11 मापन के प्रकार Kind of Measurement 12

मापन उपकरण या विधि या उनसे प्राप्त परिणाम

स्टीवेंस ने मापन को चार सामान्य स्तरों का उल्लेख किया है।

- | | | |
|---|-----------------|---|
| 1 | नामित मापन | Nominal Measurement
Ordinal
Interval
Ratio |
| 2 | क्रमित मापन | |
| 3 | आन्तात्मिक मापन | |
| 4 | अनुपात्मिक मापन | |

1 नामित मापन (Nominal)

अर्थ 16 इनमें व्यवहारा अथवा दृष्टांतों को बिना गुणात्मक विशेषता के आधार पर कोड नाम, शब्द, अंक या संकेत प्रयोग किए जाते हैं। इनमें कोड, क्रम या आन्तरिक अंतरात्मिक नहीं रहता है। यह एक गुणात्मक मापन है तथा प्राप्त मानों या संकेतों से कोड भी संबंधित नहीं होते, केवल गुणों आदि सम्भव नहीं हैं।

Exm - पिन कोड, ATM नंबर, बैंक खाता संख्या, पारिवारिक स्थिति, निवास नंबर

(2) क्रमिक मापन

उपर्युक्त यह मापन गुणों की मात्रा के अन्तर्गत पर आधारित होता है जिस प्रकार क्रमिक क्रिया या उप संयुक्त में एक निश्चित क्रम होता है। वही क्रम को क्रमिक या प्रतीक प्रदान करते हैं।

क्रमिक मापन भी नामिक मापन के भाँति गुणात्मक मापन है। इसमें एक संयुक्त में संख्या के संख्या ज्ञात की जा सकती है। किन्तु गुणात्मक संक्रियाएँ सम्भव नहीं हैं।
 Ex - सुन्दरता प्रतियोगिता, फार्मूल वगैरह
 वहाँ में प्रथम, II, III (इस मापन में व्यक्तियों, वस्तुओं के क्रमिक, विशेषण या प्रक्रियाओं के किसी गुण के आधार पर संक्रियण)

Hierarchical order
 के अर्थ में या व्यवस्था में व्यवस्था करते हैं।

(3) अन्तरिक मापन

यह मापन गुणों की मात्रा पर आधारित होता है गुणों की मात्रा को इस प्रकार क्रमिक बढ़ा दिया जाता है कि प्रत्येक उप क्रम में अन्तर समान रहता है।
 Ex - साक्षात्कार, मनोवैज्ञानिक चरों का मापन अन्तरिक पैमाने पर किया जाता है।

अन्तरिक मापन में प्रत्येक अंक के साथ जोड़ तथा घटाना तो सम्भव है किन्तु गुणों की मात्रा सम्भव नहीं है।
 Ex - $3 - 2 = 1$ $0 + 1 = 2$ $3 + 2 = 5$

जिसे अल्पता माना जाता है -
 इस मापन के अन्तर्गत क्रियाएँ होनी चाहिए, वस्तुओं के मध्य अन्तर का अर्थ के माध्यम से पदार्थिक करते हैं।

Ex - दो वस्तुओं को 5 और 10 अंकों दिए गए हैं तो 5 वाली वस्तु को 10 वाली वस्तु से दूरी उत्तरी से क्रमिक क्रियाएँ 15 से 20 वाली

2) क्रमिक मापन

यह मापन गुणों को मात्रा के अन्तर्गत आधारीत होता है। इस प्रकार के मापन में क्रमिक रूप से मापन किया जाता है। इसमें कोई नाम या प्रतीक प्रदान नहीं किया जाता।

क्रमिक मापन भी नामिक मापन के मापन गुणात्मक मापन है। इसमें मात्रा के समूह में संख्या को संख्या जोड़ कर जा सकता है। किन्तु गुणात्मक मापन में संख्या जोड़ नहीं जा सकती।
Ex - सुन्दरता प्रतियोगिता, फार्मों वगैरह

यहाँ मध्यम I, II, III (इस मापन में क्रमिक रूप से मापन किया जाता है)।
अधिक पर रकबा



Hierarchical order
में आगे या पीछे का व्यवस्था करेगा

3) अन्तरीत मापन

यह मापन गुणों को मात्रा पर आधारित होता है। इस प्रकार के मापन में क्रमिक रूप से मापन किया जाता है। इसमें कोई नाम या प्रतीक प्रदान नहीं किया जाता।

अन्तरीत मापन में मात्रा के साथ जोड़ तथा घटाना भी सम्भव है किन्तु गुणों के मात्रा सम्बन्ध नहीं है।

Ex - 1 - 2 - 10 + 1 = 12 + 3

जिस वस्तु का मापन 5 है, उसका मापन 10 करने के लिए मापन से पदारीत करेगा।
यदि वस्तु का मापन 5 है तो 10 करने के लिए मापन से पदारीत करेगा।
यदि वस्तु का मापन 10 है तो 5 करने के लिए मापन से पदारीत करेगा।